जलमग्न क्षेत्र का जैविक जल निकास विधि द्वारा उपचार

जलमग्न क्षेत्र का जैविक जल निकास विधि द्वारा उपचार विषय पर सामाजिक वानिकी एवं पारि–पुनर्स्थापन केन्द्र, इलाहाबाद के तत्वाधान में तीन किसान संगोष्ठी विस्तार कार्यक्रम आयोजित किये गये जिनका विवरण निम्न है–

हण्डिया, इलाहाबाद (दिनांक 13 मार्च 2015)

लोढ़ीडीह ग्राम, उग्रसेनपुर, हण्डिया, इलाहाबाद में दिनांक 13 मार्च 2015 को केन्द्र की निदेशिका डा0 कुमुद दूबे की अध्यक्षता में किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप मे श्री लालजी यादव (बी0डी0ओ0 प्रतापपुर), श्री कल्लू (ग्राम प्रधान लोढ़ीडीह), डा0 बलऊ सिंह (पूर्व जिला पंचायत सदस्य) एवं डा0 सुरेश सिंह (पूर्व निदेशक जी0 बी0 पन्त संस्थान) उपस्थित रहे। डा0 कुमुद दूबे ने जैव जल निकास द्वारा जलमग्न क्षेत्र के उपचार पर प्रकाश डाला तथा किसानों को जलमग्न क्षेत्र में वानिकी द्वारा होने वाले लोगों से परिचित कराया। केन्द्र की वैज्ञानिक डा0 अनुभा श्रीवास्तव ने पेड़ों के विपणन एवं पर्यावरण पर लाभ के विषय में विस्तार पूर्वक किसानों को जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के अन्त में आलोक पाण्डेय ने आये हुए अतिथियों एवं किसानो का धन्यवाद ज्ञापन किया।

हण्डिया, इलाहाबाद में आयोजित किसान संगोष्ठी की झलकियॉ

मुंगरा बादशाहपुर, जौनपुर (दिनांक 15 मार्च, 2015)

किसान संगोष्ठी के अगले क्रम में ग्राम सराय चौहान बुढ़िया का इनारा, मुंगरा बादशाहपुर जौनपुर में दिनांक 15 मार्च, 2015 को डा0 कुमुद दूबे की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री राम किंकर पाण्डेय (ग्राम प्रधान सराय चौहान), श्री बी0 डी0 पाण्डेय (वन क्षेत्राधिकारी मछलीशहर) उपस्थित रहे। केन्द्र की निदेशिका डा0 कुमुद दूबे ने जलमग्न क्षेत्रों में पानी के सतह को कम करने और मिट्टी को उर्वरा बनाये रखनै पर जानकारी दी। इसके लिए क्षेत्र में जल निकासी का उचित प्रबंध करने के लिए खेतों के मेड़ों पर और खाली जलमग्न क्षेत्रों में पानी का अधिक वाष्पोत्सर्जन करने वाले सफेदा, अर्जुन, गुटेल जामुन आदि किस्म के पौधों को रोपित कर पानी के स्तर को कम कर मिट्टी को उपजाऊ बनाया जा सकता है। उन्होने वर्मा ड्रैक का कृषि वानिकी में उपयोग के विषय पर प्रकाश डाला। गोष्ठी में संस्थान की वैज्ञानिक डा0 अनुभा श्रीवास्तव ने पौधों के विपणन के विषय में जानकारी दी। संस्थान के शोध अध्येता आलोक पाण्डेय जैव जल निकास के लाभ से किसानो को परिचित कराया।

मुंगरा बादशाहपुर, जौनपुर में आयोजित किसान संगोष्ठी की झळकियॉ

फूलपुर, इलाहाबाद (दिनांक 20 मार्च, 2015)

किसान संगोष्ठी के इसी कम में अगला कार्यक्रम ग्राम खोजापुर (बरना) फूलपुर इलाहाबाद में दिनांक 20 मार्च, 2015 को आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता डा0 कुमुद दूबे निदेशिका सामाजिक वानिकी एवं पारि–पुनर्स्थापन केन्द्र इलाहाबाद ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री टी0के0 सेबु आई0ए0एस0 (उपजिलाधिकारी, फूलपुर) थे। जिन्होने जीवन में अनाज के साथ ही साथ पेड़ पौधों के महत्व पर प्रकाश डाला । कृषक पारम्परिक खेती करने के साथ ही खाली पड़ी भूमि में कृषि वानिकी को अपना कर अधिकाधिक पौधरोपण कर धनोपार्जन कर सकते है जैसी बातें बताई। उन्होने आगे बताते हुए कहा कि वन सम्पदा एक ऐसा संसाधन है जिसमें जीवन की सभी आवश्यकता को पूरा करने की क्षमता है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री मारकण्डेय सिंह यादव (वन क्षेत्राधिकारी, फूलपुर), श्री भुलेश्वर नाथ तिवारी (ग्राम प्रधान, खोजापुर) आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में डा0 कुमुद दूबे ने जल प्लावन क्षेत्र में वृक्षारोपण के तौर तरीका तथा वृक्षों की प्रजातियों के चयन की उपयोगी जानकारी दी। केन्द्र की वैज्ञानिक डा0 अनीता तोमर ने पेड़ों की विलुप्त हो रही प्रजातियों को सुरक्षित करने के बारे में विविध जानकारी दी। केन्द्र की एक अन्य वैज्ञानिक डा0 अनुभा श्रीवस्तव ने पेड़ों के विपणन संबन्धी तथा किन प्रजातियों के पेड़ों की कटान के लिए परमिट की जरूरत है और किन को बिना परमिट के काटा जा सकता है आदि से सम्बन्धित जानकारी दी।

उपरोक्त सभी कार्यक्रमों में संस्थान के श्री आलोक पाण्डेय, श्री संदीप त्रिपाठी, श्री प्रवीण त्रिपाठी एवं श्री उमाकांत पाण्डेय का विशेष सहयोग रहा तथा प्रगतिशील किसानों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।

फूलपुर, इलाहाबाद में आयोजित किसान संगोष्ठी की झळकियॉं

****